3068/10

भारतीय गैर-न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

ONE HUNDRED RUPEES

₹. 100

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH Correction deed

P 989715

deleted to file no 223

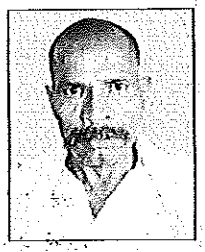

तितम्मा शुद्धि पत्र

मैं कि गोहन पुत्र श्री गंगाधर निवासी ग्राम जैंत तहसील व जिला मथुरा का हूं। जो कि मैंने अपनी कृषि भूमि भूमिधरी आकार पत्र 23 के अनुसार चक नंबर–873 का प्रथम चक गाटा नंबर–811/1 रकवा 0.006 हैक्टेयर व गाटा नंबर–815/1 रकवा 0.024 हैक्टेयर व गाटा नंबर–816 रकवा 0.210 हैक्टेयर व गाटा नंबर–817/2 रकवा 0.004 हैक्टेयर व गाटा नंबर–817/1 रकवा 0.150 हैक्टेयर व द्वितीय चक गाटा नंबर–829 रकवा 0.657 हैक्टेयर कुल क्षेत्रफल दोनों चकों का 1.051 हैक्टेयर सालाना

गोहन

मुरारी लाल शर्मा

तितम्मा

100.00	20	120.00	1,000
फीस रजिस्ट्री	नकल व प्रति शुल्क	योग	शब्द लगभग

श्री /श्रीमती गोहन
पुत्र / पत्नी श्री गंगाधर
पेशा व्यापार
निवासी स्थायी जैंत मथुरा
अस्थायी पता जैंत मथुरा
ने यह लेखपत्र इस कार्यालय दिनांक 30/3/2009 समय 7:20PM
बजे निबन्धन हेतु पेश किया।

मुकेश श्रीवास्तव
उप-निबन्धक
मथुरा-प्रथम
30/3/2009

निष्पादन लेखपत्र वाद सुनने व समझने मजमून

प्रथम पक्ष
श्री/श्रीमती गोहन
पुत्र/पत्नी श्री गंगाधर
पेशा व्यापार
निवासी जैंत मथुरा

द्वितीय पक्ष
श्री/श्रीमती सनसिटी हाई टेक द्वारा कपिल देव
पुत्र/पत्नी श्री छैलबिहारी उपाध्याय
पेशा व्यापार
निवासी चैतन्य विहार मथुरा

ने निष्पादन स्वीकार किया।
जिनकी पहचान श्री मोहित
पुत्र श्री राकेश
पेशा व्यापार
निवासी दिलशाद गार्डन दिल्ली

व श्री राजुउद्दीन
पुत्र श्री रमजानी
पेशा व्यापार
निवासी गोपाल नगर मथुरा

ने की।
प्रत्यक्षतः भद्र साक्षियों के निशान अंगूठे नियमानुसार लिये गये हैं।

मुकेश श्रीवास्तव
उप-निबन्धक
मथुरा-प्रथम
30/3/2009

HDFC BANK
We understand your world

PAYABLE AT PAR AT ALL BRANCHES OF HDFC BANK LTD

Preferred

Date: 7/2/09

PAY Mohan s/o Gangadhar OR BEARER

RUPEES Ten lac fifty six thousand only

Rs. 10,56,000/-

For SUNCITY HI-TECH PROJECTS PVT LTD

A/c No. 0032320010922 HDFC PLUS

A/c Payee's Only

HDFC BANK LTD.
G 3/4, Suryakiran Building,
19, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110 001, New Delhi
RTGS / NEEFT IFSC : HDFC0000003
031107

Authorised Signatories

⑈058423⑈ 110240001⑆ 637569⑈ 29

सेवा में,

श्री कपिल देव उपाध्याय पुत्र श्री छैलबिहारी उपाध्याय
अधिकृत हस्ताक्षरी–मैसर्स सनसिटी हाईटेक प्रोजेक्ट्स प्रा0लि0
कार्यालय एन–49, प्रथमतल कनाट प्लैस,
नई दिल्ली।

विषय : चैक गुम हो जाने के संबंध में।

महोदय,

कृपया निवेदन यह है कि प्रार्थी द्वारा चक नंबर 873, खसरा संख्या 811/1 रकवा 0.006 हेक्टेयर व खसरा संख्या 815/1 रकवा 0.024 हेक्टेयर व खसरा संख्या 816 रकवा 0.210 हेक्टेयर व खसरा संख्या 817/2 रकवा 0.004 हेक्टेयर व खसरा संख्या 817/1 रकवा 0.150 हेक्टेयर व खसरा संख्या 829 रकवा 0.657 हेक्टेयर कुल क्षेत्रफल 1.051 हेक्टेयर भूमि मैसर्स सनसिटी हाईटेक प्रोजेक्ट्स प्रा0लि0, अधिकृत हस्ताक्षरी–श्री कपिल देव उपाध्याय पुत्र श्री छैलबिहारी उपाध्याय को विक्रय की गई थी। कम्पनी द्वारा भूमि के विक्रय पत्र की कुल धनराशि रूपये 31,16,000/– प्रार्थी को दी गई थी, जिसमें से रूपये 20,56,000/– का चैक संख्या 058411 व दिनांक 18.11.2008, एच0डी0एफ0सी0 बैंक का चैक प्रार्थी द्वारा गुम हो गया है और शेष धनराशि प्रार्थी द्वारा प्राप्त करली गई है।

उक्त गुमशुदा चैक के संबंध में प्रार्थी कम्पनी से यह निवेदन करता है कि उनका भुगतान बैंक में तत्काल प्रभाव से रूकवा दिया जाए एवं इसी धनराशि अर्थात रूपये 20,56,000/– के नए चैक प्रार्थी के पक्ष में जारी करने की कृपा की जाए।

भविष्य में यदि उक्त गुमशुदा चैक प्रार्थी को मिल जाता है तो वह तत्काल कम्पनी को इस संदर्भ में सूचित करेगा एवं यदि उक्त गुमशुदा चैक का दुरूपयोग किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा किसी भी रूप में कर लिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

प्रार्थी
मोहन

मोहन पुत्र श्री गंगाधर
निवासी जैंत, तहसील व जिला मथुरा

उक्त रु 20,56,000/- के चैक के बदले नये चैक निम्न हैं:

1) अंकन रु 1000000/- चैक नं 233800 दिनांक 7/2/09 ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स [illegible]।

2) अंकन रु 1057000/- चैक नं 058423 दिनांक 7/2/09 एच डी एफ सी बैंक, नई दिल्ली।

उक्त नये चैक दोनों मोहन पुत्र श्री गंगाधर निवासी जैंत को दिए गये।

मोहन

लगानी 21.04 रूपया बाकै मौजा जैंत तहसील व जिला मथुरा का बैनामा दिनांक–3.9.2008 को सनसिटी हाईटेक प्रोजेक्टस् प्रा0लि0 जो एक पंजीकृत कम्पनी है जिसका प्रधान कार्यालय एन–49, प्रथमतल कनाट प्लैस नई दिल्ली है द्वारा क्रेता कम्पनी द्वारा अधिकृत श्री कपिल देव उपाध्याय पुत्र श्री छैलबिहारी उपाध्याय निवासी 17, चैतन्य बिहार कालौनी वृन्दावन तहसील व जिला मथुरा के हक में वकीमत 3116000/–रूपये में तहरीर किया था और मूल्य का रूपया क्रेता से 60000/–रूपये चार किता बाउचर प्रथम दिनांक–15.8.2008 व द्वितीय दिनांक–20.8.2008 व तृतीय दिनांक–24.8.2008 व चतुर्थ बाउचर दिनांक–28.8.2008 प्रत्येक बाउचर तादादी 15000/–रूपये द्वारा पाया व शेष रूपया एच0डी0एफ0सी0 बैक के दो चैक प्रथम नंबर–058410 दिनांक–3.9.2008

प्रथम पक्ष

Registration No 3068 Year : 2009 Book No. 1

0101 मोहन

गंगाधर

जैन मथुरा

व्यापार

तादादी 1000000/–रूपये व द्वितीय नंबर–058411 दिनांक–18.11.2008 तादादी 2056000/–रूपये द्वारा प्राप्त करना तय पाया था लेकिन चैक नंबर–058411 दिनांक–18.11.2008 तादादी 2056000/–रूपये के स्थान पर क्रेता कम्पनी द्वारा दो किता चैक प्रथम नंबर–933800 दिनांक–7.2.2009 तादादी 1000000/–रूपये औरियन्टल बैंक ऑफ कामर्स छटीकरा मथुरा शाखा का व द्वितीय नंबर–058423 दिनांक–7.2.2009 तादादी 1056000/–रूपये एच0डी0एफ0सी0 बैंक द्वारा मुझे अदा दिये गये हैं जो मैंने प्राप्त कर लिये हैं । जिनके द्वारा मूल्य के रूपये की प्राप्ती हो जाना स्वीकार करता हूं विक्रय पत्र के विक्रेता व केता मालियत भूमि रकवा आदि सब विक्रय पत्र दिनांक–3.9.2008 के अनुसार यथावत हैं जिसमें कोई संशोधन नहीं है। जिस पर स्टाम्प अदा किया जा चुका है।

द्वितीय पक्ष

Registration No. 3068 Year : 2009 Book No. 1

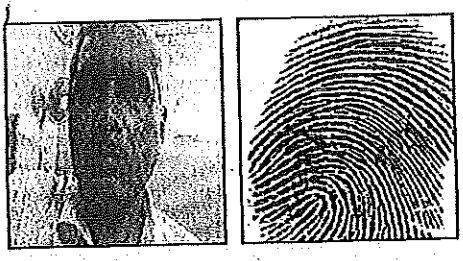

0201 सनसिटी हाई टेक द्वारा कपिल देव
छैलबिहारी उपाध्याय
चैतन्य विहार मथुरा
व्यापार

लिहाजा यह शुद्धि पत्र तितम्गा वखुशी राजीखूबसोचसमझकर लिख दिया कि सनद रहे और समय पर काम आवें।

दिनांक 30.3.2009

टाईप किया : गोपाल कृष्ण झारिया, मथुरा ।

ड्राफ्ट किया : प्रभात कुमार चतुर्वेदी एडवोकेट, मथुरा

रोहित सिंघल
S/o श्री राकेश सिंघल
R/o Pkt. L, 132-A
Dilshad Garden, Delhi

आज दिनांक **30/03/2009** को

बही सं **1** जिल्द सं **5577**

पृष्ठ सं. **137** से **144** पर कमांक **3068**

रजिस्ट्रीकृत किया गया ।

मुकेश श्रीवास्तव
उप-निबन्धक
मथुरा-प्रथम
30/3/2009